1000Rs.

## SALE DEED FOR Rs. 1,00,000/-ONLY

<u>विक्रेता</u> :– श्री नीलमणि झा पिता स्व0 रामेश्वर झा, जाति – ब्राहमण, पेशा – व्यवसाय, साकिन – श्यामाचरण मिश्र लेन देवघर, थाना, सबडिविजन व सबरजिस्ट्री – देवघर, जिला – देवघर। वजरिये आम मोख्तार श्री रामानन्द झा पिता श्री नीलमणि झा, साकिन – श्यामाचरण मिश्र लेन देवघर, जो दिनांक – 22/01/2005 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता आम मोख्तार नामा दलील जिसकी सं0 –25 वर्ष 2005 के द्वारा सक्षम हैं।

<u>क्रेता</u> :– श्री मिथिलेश कुमार सिन्हा पिता स्व0 रामाशंकर प्रसाद, जाति – कायस्थ, पेशा – नौकरी, न्यु इण्ड़िया ऐन्सोरेन्स कम्पनी लिमिटेड़ देवघर शाखा में कार्यरत, साकिन – आर0 बी0 एस0 एस0 रोड़, मुन्दीचौक भागलपुर, वर्त्तमान पता – हरिहर बाड़ी कॉलोनी नियर शयनशाला, देवघर। थाना, सबडिविजन, सबरजिस्ट्री व जिला – देवघर।

| | | |
|---|---|---|
| *लेख्य प्रकार* | :– | विक्रय पत्र |
| *सम्पत्ति की कीमत* | :– | मो0 1,00,000/– रूपये मात्र |
| *सम्पत्ति का विवरण* | :– | निम्न तफसील सम्पत्ति में वर्णित हैं। |

Mithilesh Kumar Sinha
S/o late Rama Shanker Prasad
Mudichak Bhagalpur
[illegible]

1000 x 4 = 4000/

19/7/05

कोषागार पदाधिकारी
देवघर

2735

कोषागार, देवघर
टो.सी.न. – 450
तिथि – 5/7/05

16-7-05
M.P. Kumar
V. L. N. 2/91
Stamp Vendor Court

मिथिलेश कुमार सिन्हा
स्व० रमा शंकर प्रसाद
आर० जी० एस० रोड
रोड मुन्दीचक भागलपुर
हिन्दु नौकरी
देवघर
19-7-05
10 से 1.00

मिथिलेश कुमार
सिन्हा
19/07/05

रामानन्द झा
19.7.05

यह दस्तावेज श्री रामानन्द झा के निष्पादित किया है, ऐसा अभिकथित है
मानो इसकी जाँच के लिए इसके द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 की धारा 38(2) के तहत श्री रमेश प्रसाद अ.नि. को
नाम अग्रेषित नहीं किया जाता है

[signature]
19.7.05

1000Rs.

विदित हो कि थाना नं0 – 415, जिला – संथाल प्रगना, वर्तमान जिला – देवघर सबडिविजन, सबरजिस्ट्री व थाना – देवघर, सामिल मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर के अन्दर मोरस्सी मोकररी सत्व की जमीन दिनांक – 18/01/1924 ई0 में देवघर सबरजिस्ट्री ऑफिस से रजिस्ट्री सुदा एक कीता मोरस्सी पटटा नं0 – 19, Registered in Book no- 1, Vol no- 2, pages 106 to 116, being no- 19 for the year 1924 के द्वारा मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर के अन्दर 18 बीघा 14 कटठा 19 धुर जमीन का सोलाना खजाना मो0 18 रूपया 12 आना पर मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर की तत्कालिक लाखराजदार जमीन्दार, दातासाह महमद हलीम साहब से शेख गुलाम हसन वल्द शेख गुलाम महमद मोरस्सी बन्दोबस्त पाकर सालाना खजाना पहले लाखराज जमीन्दार को और लाखराजदार का कुल हक हकुक बिहार सरकार में भेस्ट कर जाने के बाद से बिहार सरकार को आदाय करते हुए निर्विवाद रूप से दखलकार रहते हुए और लाखराजदार का कुल हक हकुक बिहार सरकार में भेस्ट

2735

5/7/05

कोषागार पदाधिकारी
देवघर

कोषागार, देवघर
टो.सी.न. - 450
तिथि - 5/7/05

16-7-05

M. P. Keshri
S. V. L. N. 2/91
Deoghar Court

[illegible] दिनांक 19-7-05 [illegible]

19-7-05

[illegible] 3/05

[illegible]

19/7/05

[illegible]

19/07/05

1000Rs.

कर जाने के बाद उपरोक्त पट्टा के सटा पत्र मुताबिक लाखराजदार या उनके वारिसान से शेख गुलाम हसन का कोई सरोकार नही रहा और जायदाद मजकुर को इच्छा मुताबिक भोग, दखल, दान विक्रयादि हर तरह का हस्तांरण करने का शेख गुलाम हसन पूर्ण अधिकारी रहते हुए दिनांक – 07/01/1969 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र जिसकी सं0 – 175 वर्ष 1969 के द्वारा मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर के अन्दर मोरस्सी मोकररी सत्व की जमीन (1) टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28/ए रकवा साढे पॉच हाथ के लग्गा के माप से सात बीघा आठ कटठा धानी जमीन मय. कुऑ जिसके उत्तर – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 140 व 160/ए, दखिन – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28 व 139, पुरब – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28 व पश्चिम – सीमाना स्टेट लक्ष्मीपुर तथा (2) टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 163/ए रकवा साढे पॉच हाथ के लग्गा के माप से तीन बीघा पन्द्रह कटठा जिसके उत्तर – टाउन प्लॉन प्लॉट

1000Rs.

नं0 – 140 व 148, दखिन – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28 व 28/ए, पुरब – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 163 व पश्चिम – टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28/ए, दोनो प्लॉट का मोट रकवा 11 बीघा 3 कटठा मय कुल हक हकुक अन्दर जमाबंदी नं0 – 386 सालाना खजाना मो0 11 रूपया 16 पैसा अन्दर हलका देवघर म्युनिसीपैलिटी वार्ड नं0 12 मय कुल हक हकुक मोहनतारा झा पति श्री मृत्युंजय झा साकिन – देवघर, के निवासनी के पास बिक्री कर देने पर उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर चारो तरफ ईटा का प्राचिर मकान, कुऑ, वृक्षादि लगाकर व अंचल कार्यालय देवघर में अपने नाम से नामांतरण करवाकर वार्षिक मालगुजारी आदाय करते हुए निर्विवाद रूप से भोग दखल करते हुए दिनांक – 29/11/1982 ई0 में निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता विक्रय पत्र जिसकी सं0 – 3436 वर्ष 1982 के द्वारा उक्त सम्पत्ति को अपने स्वउपार्जित धन से श्री नीलमणि झा पिता स्व0 रामेश्वर झा साकिन – श्यामाचरण मिश्र लेन देवघर, ने खरीद कर उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर अंचल कार्यालय देवघर के नामांतरण वाद सं0 – 241/85–86 आदेश दिनांक – 15/01/1986 के अनुसार मैं विक्रेता नीलमणि झा के नाम से नामांतरण करवाकर जमाबंदी नं0 – 386/1 के बावत वार्षिक मालगुजारी आदाय करते हुए आजतक निर्विवाद रूप से भोगवान व दखलकार हैं।

अभी मुझ विक्रेता को दीगर सांसारिक खर्च के लिए रूपये की सख्त जरूरत है, इसलिए उक्त सम्पत्ति बिक्री करने का सोहरत किये।

1. सुशील कुमार खवाड़े, 2. श्री संजय झा व 3. श्री संजय कुमार सिंह उक्त सम्पत्ति को खरीद करने को तैयार हुए जिसकी कीमत तय होने पर उपर्युक्त विक्रेता श्री नीलमणि झा ने दिनांक – 29/12/2004 ई0 को श्री सुशील कुमार खवाड़े, श्री संजय झा व श्री संजय कुमार सिंह के पास एकरार नामा कर दिये।

आप क्रेता जो उक्त श्री सुशील कुमार खवाड़े, श्री संजय झा व श्री संजय सिंह के मनोनित व्यक्ति हैं, जो उक्त सम्पत्ति के अन्दर रकवा 2502 वर्गफीट जिसका पूर्ण विवरण निम्न तफसील में वर्णित हैं, को अभी के बाजार भाव की दर से अधिकतम कीमत पर खरीद करने की इच्छा जाहिर करने पर उभय पक्षों की मंजुरी से इसकी कीमत कुल 1,00,000/रूपये कायम हुए।

अतएव आज तारीख मैं विक्रेता आप क्रेता से कीमत का कुल रूपया लेकर निम्न तफसील में वर्णित सम्पत्ति जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया हैं, मय कुल हक हकुक आप क्रेता के पास बिक्री कर दिया और आपके दखल कब्जे में दे दिया।

अब आप केता मुझ विक्रेता के सत्व व दखल से सत्ववान व दखलकार होकर मय अपने पुत्र पौत्रादि वारिसान व स्थलाभिषिक्तगण क्रम से भोग, दखल, दान, बिकी, मोरगेज व नाना प्रकार के वारदेन व हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारी होकर स्वेच्छा पूर्वक भोग दखल करते रहे इसमें मुझ विक्रेता मय वारिसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नही होगी न कोई कर सकेगा अगर कोई करे तो वह न्यायालय से निरस्त होगा।

निम्न विक्रीत सम्पत्ति का मैं विक्रेता ही एकमात्र मालिक हूँ, इसमें दुसरा कोई अंशदार या दखलकार नहीं हैं व इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय–संयुक्त या हस्तान्तरण आदि नही किया हूँ। यानि हर तरह से साफ व पाक है।

निम्न बिक्रीत सम्पत्ति के सम्बंध में अगर भविष्य में मुझ विक्रेता मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पडेगा तो ऐसी स्थिति में आप क्रेता मय वारिसान के अनुरोध व खर्च से वैसा लिखने व करने को तैयार रहुँगा।

अतएव आज तारीख मैं विक्रेता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर बिना किसी के दवाब या बहकावे के कीमत का कुल रूपये लेकर यह विक्रय पत्र लिख दिया जो प्रमाण रहे।

*दिनांक* :– 19-07-2005 ~~ईस्वी~~

## *तफसील सम्पति*

थाना नं0 – 415, जिला, सबडिविजन व सबरजिस्ट्री – देवघर, थाना – देवघर, सामिल मौजा – नीलकंठपुर उर्फ नूरपुर, के अन्दर मोरस्सी मोकररी सत्व की बसौड़ी जमीन, टाउन प्लॉन प्लॉट नं0 – 28/ए का अंश, रकवा 2502 (दो हजार पॉच सौ दो) वर्गफीट अन्दर जमाबंदी नं0 – 386/1, अन्दर हल्का देवघर नगर पालिका वार्ड नं0 – 8, बमौजिव सामिल सुदा नक्शा में लाल रंग से रंगा हुआ सव प्लॉट नं0 – 15 का अंश मय कुल हक हकुक बिक्री की, जिसकी चौहद्दी–––

*उत्तर* :– विक्रेता की जमीन सव प्लॉट नं0 – 15 का अंश
इधर की माप 55′–0″

*दक्षिण* :– 17′–0″ चौडा प्रस्तावित रास्ता
इधर की माप 55′–0″

*पुरब* :– 15′–0″ चौडा प्रस्तावित रास्ता
इधर की माप 45′–6″

*पश्चिम* :– विक्रेता की जमीन सव प्लॉट नं0 – 14
इधर की माप 45′–6″

रामानन्द झा
19.7.05

**घोषणा** :– उक्त विक्रीत सम्पत्ति पक्की सड़क से 131 फीट से अधिक की दूरी पर स्थित हैं। निर्धारित मूल्यांकन के अनुसार स्टाम्प दिया गया हैं।

रामानन्द झा
19.7.05

**गवाहन** :–

(1) ओमशंकर राव
मो०- प्रताप पोखर, देवघर
19/07/05

(2) हीरा लाल यादव
रामपुर देवघर
19/07/05

(3) संजय कुमार सिंह
अधिवक्ता
देवघर कोर्ट
19/7/05

MEMO OF CONSIDERATION.

RECEIVED a sum of 126000/- Dated 19-7-05 Bank of India Deghar Branch. Cheque NO:- 079194. By Case 500/-

रामानन्द झा
19.7.05

100 Rs.

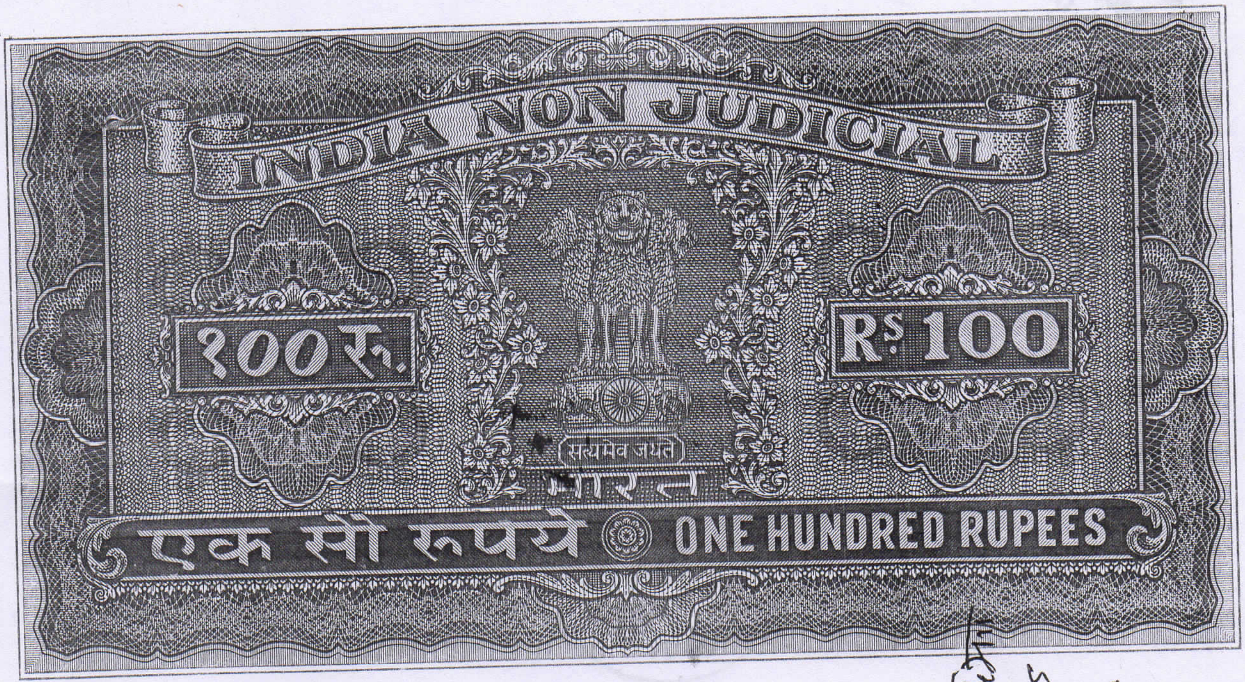
INDIA NON JUDICIAL
१०० रु.
Rs 100
सत्यमेव जयते
भारत
एक सौ रुपये
ONE HUNDRED RUPEES

1000Rs.

1100

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

PLAN OF LAND UNDER MOUZA:- NILKANTH-PUR @ NOORPUR NO:- 415. WITHIN DEOGHAR MUNICIPAL WARD NO:- 8. J.B. NO:- 386/1. PART OF T.P. PLOT NO:- 28A. SUB PLOT NO:- 15 (Part). AREA:- 2502 sqft. SHOWN IN RED COLOUR BELONG'S TO SRI NILMANI JHA & NOW SOLD TO SRI MITHILESH KUMAR SINHA S/O LATE RAMASHANKAR ~~SIN~~ PRASAD

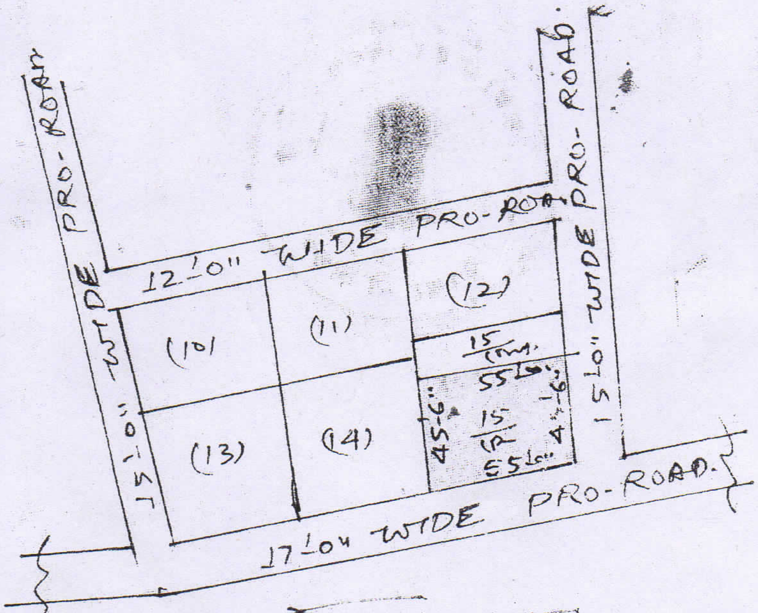


रामानन्द झा
17-7-05

Passed By,
F.B. Mistry
18/7/05